सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 327 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 7 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।
-चाणक्य

एलजी चला रहे समानांतर... 8 | स्मार्ट सिटी के दावों की जमीनी... 3 | कड़ाके की ठंड में कांपी दिल्ली... 7

## उत्तराखंड सरकार की लापरवाही हजारों लोगों के लिए बनी आफत का सबब

# जोशीमठ में बदतर हो रहे हालात ज्योतिर्मठ परिसर में आईं बड़ी दरारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चमोली। जोशीमठ में हालात बदतर होते जा रहे हैं। भू-धंसाव की चपेट में ज्योतिर्मठ परिसर भी आ गया है। परिसर के भवनों, लक्ष्मी नारायण मंदिर के आसपास बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। ज्योतिर्मठ के प्रभारी ब्रह्मचारी मुकुंदानंद ने बताया कि मठ के प्रवेश द्वार, लक्ष्मी नारायण मंदिर और सभागार में दरारें आई हैं। इसी परिसर में टोटकाचार्य गुफा, त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी मंदिर और ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य की गद्दी स्थल है।

शंकराचार्य की गद्दी स्थल की सामने आई तस्वीरें हर किसी को तकलीफ पहुंचा रही है। ज्योतिर्मठ के प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुंचाने और उनके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से जमीन धंसने के संकेत मिल रहे थे। लेकिन समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

### सामने आया सरकार की अंदेखी का दुष्परिणाम : अविमुक्तेश्वरानंद

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हिमालय में जो कुछ हो रहा है, उसको लेकर लंबे समय से चिंता व्यक्त की जा रही थी। इसकी अनदेखी होते रही, जिसके दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। जमीन धंसने को लेकर अलग-अलग कारण बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को सही कारण का पता लगाना चाहिए।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ज्योतिर्मठ भी इसकी चपेट में आ रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से भू-धंसाव से

# कोहंड पहुंचा भारत जोड़ो का कारवां युवाओं में राहुल गांधी का दिखा क्रेज

करनाल। भारत जोड़ो यात्रा आज करनाल के कोहंड से शुरू हुई। राहुल गांधी की यात्रा के चलते जीटी रोड पर तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। यात्रा के दौरान घायल हुई विधायक किरण चौधरी ने अपने संदेश में कहा कि आज भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उत्साहित यात्रियों की भगदड़ से पैर चोटिल हो गया है। आशा है फर्स्ट-ऐड करवा कर यात्रा में जल्द ही शामिल हो पाऊंगी। उधर, बसताड़ा टोल टैक्स पर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने राहुल गांधी से मुलाकात की और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। यात्रा के दौरान युवाओं में राहुल गांधी का काफी क्रेज दिख रहा है। घायल विधायक किरण चौधरी को सिग्नस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यात्रा में कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा और बॉक्सर विजेंद्र सिंह भी शामिल हुए।

# बिहार में शुरू हुई जातीय जनगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार राज्य में जातीय जनगणना का काम आज से शुरू हो गया है। ये बिहार सरकार का एक बड़ा प्रोजेक्ट है। केंद्र सरकार के ना कहने के बाद नीतीश कुमार की सरकार ने खुद के खर्चे पर जातीय जनगणना कराने का काम शुरू किया है।

शनिवार को राजधानी पटना में डीएम चन्द्रशेखर सिंह ने इस काम की शुरुआत की है। किस तरह से जातीय जनगणना किया जाए इसके बारे में बताया भी गया है। पहले फेज में मकानों की गिनती होगी और आज से कर्मी जनगणना करने घर-घर पहुंचेंगे। वह अपने-अपने वार्डों में जाकर मकानों की गिनती करेंगे। इसके बाद अगले चरण में लोगों की जाति आधारित गणना की जाएगी। जिसकी अप्रैल से शुरूआत होगी।

# विमान में बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने वाला शंकर मिश्रा बेंगलुरु से गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। एयर इंडिया की फ्लाइट में महिला यात्री पर पेशाब करने वाले शंकर मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। शंकर की गिरफ्तारी बेंगलुरु से हुई है। दिल्ली पुलिस की टीम मुंबई पहुंची थी। यहां महाराष्ट्र में कई ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। मुंबई से पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शंकर मिश्रा बेंगलुरु में ही। जिसके बाद टीमें यहां पहुंची थीं। पुलिस उसे बेंगलुरु से दिल्ली लाएगी। शंकर मिश्रा को एक दिन पहले ही वेल्स फार्गो कंपनी ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। शंकर मिश्रा कंपनी का भारत में वाइस प्रेसिडेंट था।

विगत 26 नंवबर को शंकर मिश्रा बिजनस क्लास में सफर कर रहा था। एयर इंडिया की इस फ्लाइट में उसने एक बुजुर्ग महिला के ऊपर पेशाब की थी। बताया जा रहा है कि शंकर मिश्रा ने बहुत ज्यादा शराब पी रखी थी और शराब के नशे में उसने महिला पर पेशाब किया। घटना पिछले हफ्ते तब सामने आई, जब महिला ने जिम्मेदारों को शिकायती पत्र लिखा। इसके बाद दिल्ली पुलिस हरकत में आयी।

### शराब के नशे में धुत था मिश्रा

बीते 26 नवंबर को न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट में नशे में महिला यात्री पर पेशाब मामले के चश्मदीद रहे सौगात भट्टाचार्या जो अमेरिका में डॉक्टर हैं, ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी सीट 8ए थी, आरोपी मिश्रा के बगल की सीट 8 सी पर था। उन्होंने कहा कि मिश्रा ने बहुत शराब पी रखी थी। उसने लंच के दौरान सिंगल माल्ट व्हिस्की के चार ग्लास पी लिए थे। उसने उसके पहले और बाद भी शराब पीयी थी। उसकी चाल-ढाल से लग रहा था कि वह नशे में धुत है। उसने मुझसे बोला कि ब्रो मुझे लगता हैं, मैं परेशानी में पड़ गया हूं।

# भारत जोड़ो यात्रा से राहुल को मिली मजबूती

**» इस यात्रा से देश में सरकार के विरोध का स्वर बनाने में कामयाब हुई कांग्रेस**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा लगभग तीन-चौथाई से भी ज्यादा सफर तय कर चुकी है। तीन जनवरी से यह यात्रा अपने शेष सफर को पूरा करने के लिए फिर शुरू हो चुकी है और जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में जाकर समाप्त होगी। राहुल गांधी और भारत जोड़ो यात्रा को मिलने वाला भारी जनसमर्थन कन्याकुमारी से लेकर दिल्ली और दिल्ली के बाद उत्तर प्रदेश में भी बदस्तूर जारी है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा ने जनता में जो हलचल पैदा की है, उसे अगर कांग्रेस अपने अगले कार्यक्रमों के जरिए सरकार के विरोध की राजनीति का स्वर बनाने में कामयाब हुई, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ही विपक्षी एकता और विपक्षी राजनीति की धुरी बनेगी।

साथ ही अगर इस यात्रा में राहुल गांधी अपने छोटे भाई (चाचा संजय गांधी के बेटे) वरुण गांधी को भी किसी मोड़ पर साथ जोड़ सके, तो नेहरू इंदिरा का परिवार और विरासत भी एकजुट हो सकेगी। सियासी हल्कों और सोशल मीडिया में यह चर्चा जबर्दस्त तरीके से हो रही है।

## मध्य प्रदेश के विक्रम चल रहे हैं नंगे पांव

**पानीपत।** राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा में नंगे पैर यात्रा करने वाला एक शख्स आकर्षण का कारण बन गया है। पेशे से अधिवक्ता विक्रम प्रताप सिंह। मध्य प्रदेश से भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए और नंगे पांव चल रहे हैं। ये बात विक्रम को अन्य लोगों से अलग बनाती है। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के रहने वाले विक्रम सिंह पिछले 2.5 महीनों में 1200 किलोमीटर से अधिक चल चुके हैं। विक्रम प्रताप सिंह ने अपने संकल्प के बारे बात करते बताया, कि मैंने पिछले साल 28 अक्टूबर से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने के बाद से जूते-चप्पल छोड़े हैं। मैं देश में इस यात्रा का संदेश फैलाना चाहता हूं। शुरू से ही इस यात्रा में शामिल होना चाहता था। मैंने उनके संदेश को फैलाने का एक संकल्प लिया है।

## वरुण तैयार, राहुल की हां का इंतजार

इन चर्चाओं के मुताबिक वरुण को इस यात्रा से जोड़ने और राहुल का रुख उनके प्रति नरम करने की कोशिशें पर्दे के पीछे पार्टी और परिवार के कुछ शुभचिंतक कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक वरुण लगभग तैयार हैं लेकिन उन्हें अपने बड़े भाई राहुल गांधी के सकारात्मक संकेत का इंतजार है। जबकि वरुण को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में राहुल कह चुके हैं कि यात्रा में जो भी आना चाहे उसका स्वागत है, जहां तक वरुण का सवाल है वह भाजपा में हैं और उन्हें यात्रा में आने से वहां समस्या हो सकती है। वरुण गांधी के सवाल पर कांग्रेस के एक बेहद वरिष्ठ नेता का कहना है कि देर सिर्फ दोनों भाईयों के बीच इस मुद्दे पर संवाद की है, जिस दिन यह हो गया उसी दिन सारी बर्फ पिघल जाएगी। देखना यह है कि पहल कौन करता है। क्या राहुल बड़े भाई का फर्ज निभाते हुए छोटे भाई वरुण को गले लगाने के लिए आगे बढ़ते हैं या फिर वरुण खुद बड़े भाई का साथ देने के लिए कोई कदम उठाते हैं। वैसे अगर राहुल पहल करते हैं तो इससे उनकी बदलती छवि में एक बड़ा सितारा और टंक जाएगा और उन्हें परिवार व उसकी विरासत को जोड़ने का श्रेय मिलेगा। दिल्ली तक की यात्रा पूरी करने के बाद कांग्रेस ने आगे इस यात्रा में शामिल होने के लिए सभी विपक्षी दलों को पत्र लिखकर आमंत्रित किया है। यहां तक कि कांग्रेस प्रवक्ताओं ने संवाददाता सम्मेलन में अनौपचारिक तौर पर भाजपा से भी यात्रा में शामिल करने की अपील कर दी। कांग्रेस की एक राजनीतिक कोशिश है कि इस यात्रा के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों को एक मंच पर भी लाया जा सकता है। हालांकि जहां नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने यात्रा में शामिल होकर उसे अपना समर्थन दे दिया है, जबकि पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी यात्रा का समर्थन करते हुए उसमें शामिल होने की बात कही है।

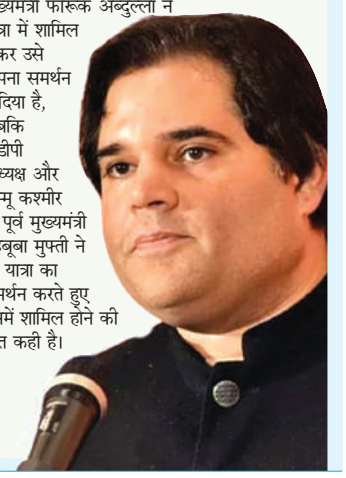

# गहलोत बोले- अभी संन्यास नहीं घर बैठ गया तो बीमार हो जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर बयान देकर साफ कर दिया कि वे अभी राजनीति से संन्यास नहीं लेने वाले हैं। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि मैं अभी रिटायर नहीं होने वाला हूं। मैं घर बैठा तो बीमार हो जाऊंगा। सीएम अशोक गहलोत ने जोधपुर के रावण का चबूतरा मैदान में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मेवाड़ ने मुझे बहुत प्यार दिया है। अब और मांगना संकोच देता है। मुख्यमंत्री ने 1973 में पहली बार छात्र संघ चुनाव से लेकर अपने 50 साल के राजनीतिक करियर के अनुभव भी बताया। उन्होंने कहा कि तीन बार अपने मुझे मुख्यमंत्री बनाया। आपका बहुत प्यार मिला। यहां के लोगों के लिए मैं घर का जोगी जोगना जैसा हूं। तीन बार आप लोगों ने सीएम बनाया। कई बार स्थिति होती है, जैसे घर का जोगी जोगना है। जोधपुर मारवा ने मुझे बचपन से बहुत प्यार दिया है। इसलिए अब मांगते हुए संकोच होता है। सीएम ने आगे कहा कि रिटायर होकर घर बैठने का मतलब है बीमार होना। बचपन से जो व्यक्ति सेवा के कार्यों में लगा हो, उसे यदि घर बैठा दिया जाए तो वह बीमार ही होगा, लेकिन मैं बीमार होना नहीं चाहता। मुख्यमंत्री गहलोत का यह बयान राजनीतिक जानकारों की नजर में उनके विरोधियों के लिए एक सीधा संदेश है कि वो अभी राजस्थान की राजनीति से दूर नहीं जाने वाले हैं।

### राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख पर कांग्रेस का पलटवार

# अमित शाह नेता हैं या पुजारी : खरगे

**» कहा-गृह मंत्री की जिम्मेदारी देश की सुरक्षा की है, लेकिन वो तो मंदिर की बात कर रहे हैं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गृह मंत्री अमित शाह के राम मंदिर को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने हरियाणा पानीपत में हो रही भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सभा में कहा कि आप (अमित शाह) क्या राम मंदिर के महंत हैं? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को एक सभा में कहा, त्रिपुरा में चुनाव के कारण अमित शाह ने कहा कि एक जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होगा, क्या वो मंदिर के महंत हैं? क्या वो मंदिर के पुजारी हैं?

उन्होंने साथ ही कहा कि मुंह में राम बगल में छुरी, ये नफरत की छुरी से जातियों और धर्मों में लोगों को बांट रहे हैं। इसी को खत्म करने के लिए राहुल गांधी पदयात्रा कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह की जिम्मेदारी देश की सुरक्षा की है, लेकिन वो मंदिर की बात कर रहे हैं।

उनका काम देश में कानून व्यवस्था ना बिगड़े, इसका ध्यान रखना है। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि बीजेपी लोगों को रोजगार देने का वादा पूरा नहीं कर रही है। गौरतलब हो कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी राज्य त्रिपुरा में को एक रैली में कहा था कि अगले साल एक जनवरी तक अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन कर तैयार हो जायेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा था कि राहुल बाबा सुनिए, एक जनवरी 2024 तक भव्य राम मंदिर बन कर तैयार हो जायेगा।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की लड़ाई महंगाई के खिलाफ, बेरोजगारी के खिलाफ है, वह युवाओं के लिए रास्ते पर आकर लड़ रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी जबसे प्रधानमंत्री बने हैं, अमित शाह जबसे गृह मंत्री बने हैं तबसे सिर्फ चुनाव के चक्कर में पड़े रहते हैं. वे दूसरे राजनीतिक दलों में तोड़फोड़ करते हैं, ईडी और दूसरी एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

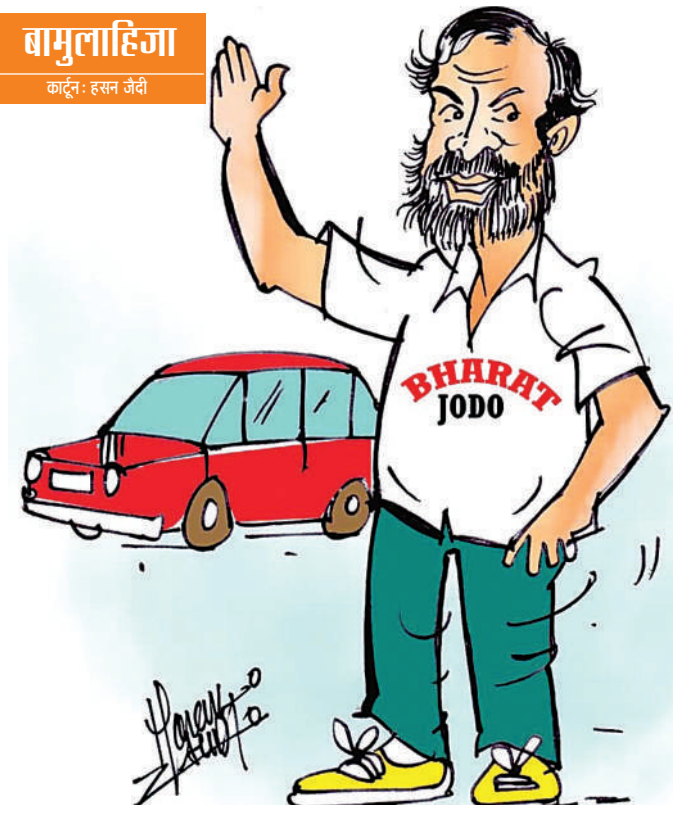


# ओपी राजभर बोले–समाजवादी पार्टी है एक राजनीतिक भूत

**» मुसलमानों के 80 फीसदी वोट पर जीवित, पर नहीं करती हक की बात**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की नो एंट्री के पोस्टर लगे हैं। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे यहां सभी का स्वागत और सम्मान है। बलिया में सुभासपा के राष्ट्रीय कार्यालय में अखिलेश यादव की लगी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी में अखिलेश, राहुल गांधी और मायावती का पूरा सम्मान है।

सपा कार्यालय में नो एंट्री वाले पोस्टर पर कहा कि सपा कार्यालय में उनकी नो एंट्री की पोस्टर नहीं, उनकी पार्टी की नीतियों की नो एंट्री लगाई गई है। राजभर ने निशाना साधते हुए कहा कि सपा 80 प्रतिशत मुसलमानों का वोट लेती है। जब ओमप्रकाश राजभर उनके हक की बात करते हैं तो बाहर पोस्टर लगाकर कहते हैं खबरदार यह अधिकार की बात करने वालों की नो एंट्री है। वह एक राजनीतिक भूत हैं, जिनसे सभी पार्टियां डरती हैं।

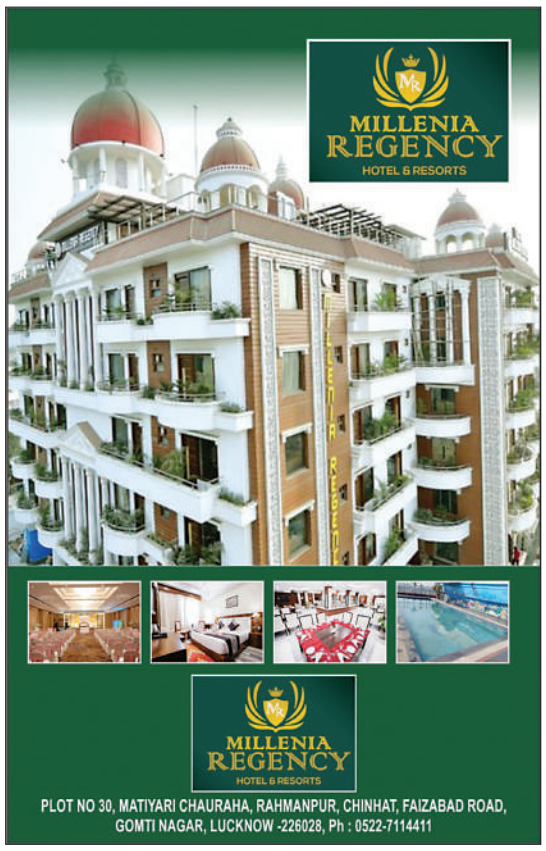

# स्मार्ट सिटी के दावों की जमीनी हकीकत कुछ और

## बिजली-पानी की दिक्कत, अलाव का भी नहीं कोई इंतजाम, नहीं होती सुनवाई

हयात अब्बास@4पीएम

लखनऊ। सरकार ने लोगों को लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने का सपना तो दिखा दिया, लेकिन इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। लखनऊ के बहुत से इलाके तो ऐसे हैं, जहां बिजली और पानी की भी इतनी दिक्कत है, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। लोगों की कोई सुनवाई नहीं होती। ये लोग किसे अपनी परेशानी बताएं। ये लोग जब अपने पार्षद के पास जाते हैं, तो वो इनको आश्वासन देते हैं कि इनकी सुनवाई जल्द ही होगी। लेकिन आज पूरे एक साल हो जाने के बाद भी अब तक इनके पास कोई भी मदद नहीं पहुंची है। इस पूरे मामले को ढंग से जानने के लिए हमारी टीम शहर के इस्माइलगंज इलाके में पहुंची। यहां जाकर हमने जो मंजर देखा, वो काफी हैरान कर देने वाला था।

इस्माइलगंज के निवासी हमें देखकर हमसे अपनी परेशानियों के बारे में बताने लगे। बता दें कि इस्माइलगंज में काफी आबादी है। इस घनी आबादी के बावजूद भी इस क्षेत्र में पीने के पानी की सिर्फ एक ही टंकी है और इसका मोटर भी एक साल से भी ज्यादा वक्त से खराब पड़ा है। लोग अपने पार्षद के पास कई बार अपनी शिकायत लेकर गए, लेकिन अभी भी इन लोगों की कोई मदद नहीं हुई है। जिसके चलते इनको पानी भरने काफी दूर जाना पड़ता है। प्रदेश में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इन दिनों लखनऊ में भी सर्द बर्फीली हवाओं ने गलन को चरम पर ला दिया है। मौसम विभाग ने 7 जनवरी तक के लिए अलर्ट जारी किया ऐसे में सरकार ने प्रदेश भर में लोगों के लिए अलाव का इंतजाम का बंदोबस्त किया है, लेकिन इस्माइलगंज के लोगों का कहना है कि उनके लिए अलाव का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। जिसको लेकर उन्होंने नगर निगम से भी गुहार लगाई है, लेकिन कोई मदद नहीं आई है।

### महज जुमला साबित हो रहा स्वच्छ भारत मिशन

इस्माइलजंग के घरों के बहर उबड़ खाबड़ सड़कें और टूटी हुई नालियां ये बयान करती हैं कि सरकार इस इलाके को शायद भूल ही गई है। विकास से वंचित ये इलाका सरकार की नाकामी का सुबूत देता है। टूटी हुई नालियों में जलभराव के चलते मच्छर पैदा होते हैं। जिससे इलाके में मलेरिया और डेंगू जैसे घातक रोगों से लोग आए दिन ग्रसित होते हैं। इलाके की गंदगी देख कर पता चलता है कि सरकार का स्वच्छ भारत मिशन कितना सफल हुआ है।

### सीवर का पानी पीने को मजबूर

इस्माइलजंग के लोगों का कहना है कि उनके क्षेत्र में एक साल से भी ज्यादा समय से उनके घरों में पानी नहीं आता है। जब पानी आता भी है, तो वो पीने के लायक नहीं होता है। पानी के आभाव के चलते इन लोगों को ऐसा गंदा पानी भी पीना पड़ता है। लोगों का कहना है कि घरों कि पाइप लाइन में सीवर का पानी आता है और न चाहते हुए भी इन लोगों को उस पानी को अपने कामकाज में इस्तेमाल करना पड़ता है। लोगों ने बताया की इस पानी के प्रयोग से इलाके के लोग आए दिन कई गंभीर बिमारियों का शिकार होते हैं।

### झेलना पड़ रहा भेदभाव का दंश

इलाके के लोगों का कहना है कि उनके साथ भेदभाव किया जाता है। प्रदेश भर में इस समय ठंड के कहर से लोग काफी परेशान है। ऐसे में सड़कों पर अलाव के इंतजाम बहुत कम ही देखने को मिले। इस्माइलजंग के लोग भी अलाव के आभाव से परेशान हैं। इन लोगों का कहना है कि यहां नगर निगम द्वारा अलाव का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। वहीं एक तरफ लकड़ी के ढेर हैं, लेकिन वो कुछ खास लोगों को दी जा रहीं हैं। जिसके चलते चौराहे पर यहां के निवासी खुद ही अलाव का इंतजाम करते हैं। इस इलाके के लोगों का कहना है कि उनकी सुनवाई नहीं होती है। इलाके के लोगों का कहना है कि लोगों के साथ भेद भाव किया जाता है।

# भाजपा के लिए आसान नहीं त्रिपुरा की राह

## पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब के घर पर हुआ हमला बन सकता है मुद्दा

» 2024 लोक सभा चुनाव पर नजर

» नड्डा, मोदी व शाह ने तेज किए राज्य के दौरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। त्रिपुरा में मुख्यमंत्री बदलने के बाद भी बीजेपी विधायकों का साथ छोड़ कर चले जाना पार्टी के शीर्ष नेताओं की नींद उड़ाने वाली खबर है। उधर पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब के घर पर हुआ हमला भी बताता है कि भाजपा के लिए 2024 का चुनाव पूर्वोत्तर के इस राज्य के लिए आसान नहीं होगा। उससे भी बड़ी चिंता की बात है ये हमला चुनावी हिंसा की आशंका की तरफ इशारा कर रहा है। इन सबके बीच अमित शाह लोक सभा चुनाव 2024 की तैयारियों के लिए दौरे पर हैं, त्रिपुरा से शुरुआत करने का खास मतलब भी है।

जैसे हैदराबाद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के सीनियर नेता अमित शाह के दौरों ने तेलंगाना पर बीजेपी के फोकस का इशारा है, त्रिपुरा पहुंच कर बीजेपी की जन विश्वास यात्रा को रवाना करना और फिर रैली करना, आने वाले चुनावों को लेकर पार्टी की फिक्र दिखा रहा है । सबसे ज्यादा चिंता वाली बात इसलिए भी है क्योंकि बिप्लब देब के पुश्तैनी घर पर हुई हिंसा जिन परिस्थितियों में हुई है, वो पश्चिम बंगाल जैसे चुनावी माहौल की ही झलक दिखा रही है. बीजेपी और बिप्लब देब ने तो हिंसा का पूरा इल्जाम सीपीएम पर मढ़ दिया है, लेकिन वहां से जो खबर आ रही है, मालूम होता है कि ये हमला एकतरफा नहीं है बल्कि स्थानीय स्तर पर दोनों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव का हिंसक नतीजा और नमूना है, अगर अभी से ऐसी चीजों पर ध्यान नहीं दिया गया तो मान कर चलना होगा कि आगे स्थिति और भी खराब हो सकती है। बंगाल ही नहीं बल्कि केरल को लेकर भी बीजेपी राजनीतिक विरोधियों की तरफ से हिंसा और बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमलों का मुद्दा उठाती रही है पर त्रिपुरा में पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब के घर पर जो हुआ है, वो खतरनाक इरादे की तरफ इशारे करता है। निश्चित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री होने के नाते भी अमित शाह ने अगरतला से भी रिपोर्ट वैसे ही तलब की होगी, जैसे दिल्ली में अंजलि केस को लेकर पुलिस से रिपोर्ट मांगी गयी है। त्रिपुरा में राजनीतिक चुनौती से सामना होने से पहले ही अमित शाह ने त्रिपुरा चुनाव में भी पश्चिम बंगाल की तरह ही मोर्चा संभाल लिया है। अब तो बिप्लब देब मुख्यमंत्री भी नहीं हैं और न ही आने वाले चुनाव में बीजेपी का चेहरा ही हैं, फिर भी उनको टारगेट किये जाने का क्या मतलब हो सकता है? त्रिपुरा के गोमती जिले में बिप्लब देब के पुश्तैनी घर के आस पास हुई हिंसा के बाद ये सवाल काफी महत्वपूर्ण हो गया है, हमले के वक्त वहां बीजेपी नेता के घर पर कोई नहीं था। त्रिपुरा बीजेपी के नेता का आरोप है, शाम को मेरे घर के सामने, जहां कार्यक्रम होना था, कम्युनिस्ट झंडा फहराना चाहते थे... जब वे झंडा फहराने की कोशिश कर रहे थे तो पुजारियों और बाकी लोगों ने ये कहकर रोकने की कोशिश की कि वहां हवन होगा, वे नहीं माने और हिंसा शुरू कर दी। तस्वीर का दूसरा पहलू भी दिखा रही है, एक रिपोर्ट से मालूम होता है कि जो कुछ हुआ उसका न्योता तो बीजेपी की तरफ से ही दिया गया था, सीपीएम का कार्यक्रम वहां पहले से तय था और उसके लिए आस पास झंडे लगाये गये थे और सजावट भी की गयी थी-लेकिन बीजेपी और वीएचपी के कार्यकर्ताओं ने सब तहस नहस कर दिया था।

### गुजरात मॉडल का ही भरोसा

दिसंबर मध्य में हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के त्रिपुरा दौरे में ये तो समझ में आ ही गया कि आने वाले चुनावों में बीजेपी गुजरात मॉडल को ही आगे करके बढ़ने की कोशिश करेगी, लेकिन ये 2014 के गुजरात मॉडल से थोड़ा अलग है। ऐसे भी समझ सकते हैं कि त्रिपुरा सहित इस साल होने जा रहे नौ राज्यों के चुनावों में बीजेपी मोदी के चेहरे के साथ साथ गुजरात मॉडल को भी लेकर ही आगे बढ़ेगी। मोदी के दौरे में भी ऐसी ही दो चीजें समझ में आयीं कि बीजेपी चुनावी कामयाबी के गुजरात मॉडल के साथ साथ आदिवासी वोटर पर भी ज्यादा ध्यान देने जा रही है, प्रधानमंत्री ने बीजेपी नेताओं से गुजरात चुनाव से सीखने की सीख दी थी। मोदी ने बीजेपी नेताओं को लोगों तक सीधे पहुंचने और सोशल मीडिया जरिये भी सरकार के कामकाज की हर छोटी से छोटी बात लोगों तक पहुंचाने को कहा है, एक और खास बात, जिस पर मोदी का काफी जोर दिखा वो है आदिवासी वोटर, मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से आदिवासी इलाकों में तैयारियों के बारे में पूछा और चुनावी तैयारियों में भी पूरी ताकत झोंक देने की सलाह दी, एक सार्वजनिक रैली में भी प्रधानमंत्री ने खास तौर पर जिक्र किया कि किस तरह गुजरात में बीजेपी ने एसटी कोटे की 27 में से 24 सीटों पर जीत सुनिश्चित की है , और बीजेपी ऐसा करने वाली है, इस बात का अंदाजा तो पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव में ही पता चल गया था, ये तो है कि बीजेपी पहली आदिवासी महिला को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचाने का श्रेय ले सकती है। बाकी बातें अपनी जगह है, लेकिन त्रिपुरा और गुजरात के राजनीतिक हालात बिलकुल अलग है, त्रिपुरा में माहौल पश्चिम बंगाल और केरल जैसा है, सिवा इस बात के कि वहां बीजेपी की सरकार है - ऐसे में गुजरात मॉडल पर पूरी तरह अमल हो पाएगा, पहले से मान कर चलना मुश्किल हो रहा है।

### मोदी के बाद शाह का त्रिपुरा दौरा

त्रिपुरा में सत्ता में होने के बावजूद बीजेपी के सामने पश्चिम बंगाल जैसी ही चुनौतियां पैदा होने लगी हैं , और प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद अमित शाह का मोर्चे पर डट जाना भी यही कहता है, मोदी और शाह के बाद अगरतला में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और ढेर सारे नेताओं का जमघट भी लगने वाला है. अमित शाह ने बीजेपी की जो जनविश्वास यात्रा शुरू की है, 12 जनवरी को जेपी नड्डा उसका समापन करने वाले हैं। बीजेपी की कोशिश सीपीएम के 25 साल बनाम बीजेपी के 5 साल वाली बहस शुरू करने की भी होगी। जनविश्वास यात्रा राज्य के सभी 60 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने वाली है, करीब एक हजार किलोमीटर का सफल तय करने जा रही यात्रा के दौरान 100 रैलियां और रोड शो किये जाने हैं, यात्रा में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनवाल, किरण रिजिजु, अर्जुन मुंडा भी शामिल होंगे. पश्चिम बंगाल से विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, मिथुन चक्रवर्ती और बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी भी बारी-बारी यात्रा में शामिल होंगे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# यात्राओं का साल तेइस

*हिंदुस्तान में यात्राओं का इतिहास पुराना है। यहां महात्मा गांधी ने अंग्रेजी शासन की क्रूर नीति के खिलाफ यात्रा की और आजादी दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि आजादी के बाद देश में कोई इतनी बड़ी यात्रा नहीं निकाली गई जिसने अपनी एक अलग छाप छोड़ी हो, मगर राहुल गांधी ने भारत जोड़ो से जनता के बीच अपनी पहचान के साथ-साथ एक मुकाम भी बना लिया है। कांग्रेस की विचारधारा के विपरीत लोग भी राहुल गांधी की इस यात्रा और उनके साहस का गुणगान कर रहे हैं। विचारधारा से इतर लोगों का प्रशंसा करना इस बात की दलील भी है कि इस यात्रा का संदेश बहुत बड़ा है। यही वजह है कि अब तक कन्याकुमारी से कैराना तक जनता ने राहुल को हाथो हाथ लिया है। करीब साढ़े तीन माह पहले 2022 में शुरु हुई यह यात्रा अभी हरियाणा राज्य से गुजर रही है और इस भारत जोड़ो का अंतिम पड़ाव कश्मीर है।*

*दरअसल, देश में इस समय बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के साथ ही एक बड़ा मुद्दा सदियों से चले आ रहे सामाजिक ताने-बने को बनाए रखने का भी है। विपक्ष लगातार इस मामले में सरकार पर हमलावर है। सत्ताधारी दल पर मुल्क में भाईचारे को कमजोर करने और साम्प्रदायिक सौहार्द पर ठेस पहुंचाने के आरोप लगाता रहा है। ऐसी आवाज किसी एक राज्य से नहीं बल्कि अलग-अलग प्रदेशों से सुनाई पड़ती रही हैं। इसीलिए राहुल गांधी ने समाज के बीच नफरतों को खत्म करने का बीड़ा उठाते हुए मोहब्बत का माहौल बनाने का पैगाम भारत जोड़ो यात्रा से दिया है। राहुल की मुहिम की बढ़ती लोकप्रियता का ही असर है कि सत्तापक्ष को अपनी रणनीति पर पुन: मंथन करना पड़ रहा है और पसमांदा मुसलमानों के बीच जाने की शुरूआत भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों ने कर दी है। हालांकि देश में अगले साल यानी 2024 में आम चुनाव है। ऐसे में राजनीतिक दल इसके लिए अपनी सियासी रणनीति को अमली जामा पहनाने में भी जुटे हैं, मगर कांग्रेस के प्रयासों की यात्रा ने सियासी दलों को सड़क पर उतरकर संघर्ष करने और समाज में एकता की बात करने का पाठ निश्चित ही पढ़ा दिया है। भारत जोड़ो की सफलता को देख बिहार में जदयू के मुखिया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा का प्रारंभ कर दिया है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर संविधान बचाओ आरक्षण बचाओ यात्रा का ऐलान कर चुके हैं। कांग्रेस ने राज्यों को मथने के लिए भारत जोड़ो के साथ ही हाथ से हाथ जोड़ो की तैयारी कर ली है और इसके जरिए वह अपनी मजबूती के लिए बूथ तक जाएगी। कुछ दूसरे दल ऐसी रणनीति बनाने में लगे हैं जिसकी यात्रा अभी पाइप लाइन में हैं। ऐसे में सियासी लिहाज से 2023 यात्राओं का साल कहा जाए तो कुछ गलत नहीं होगा।*

**“ देश में इस समय बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के साथ ही एक बड़ा मुद्दा सदियों से चले आ रहे सामाजिक ताने-बने को बनाए रखने का भी है। विपक्ष लगातार इस मामले में सरकार पर हमलावर है। सत्ताधारी दल पर मुल्क में भाईचारे को कमजोर करने और साम्प्रदायिक सौहार्द पर ठेस पहुंचाने के आरोप लगाता रहा है। ऐसी आवाज किसी एक राज्य से नहीं बल्कि अलग-अलग प्रदेशों से सुनाई पड़ती रही हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# स्वच्छ जल के नये स्रोतों की तलाश

मुकुल व्यास

पृथ्वी पर ताजा पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं है और आने वाले वर्षों में पानी की स्थिति और भी बदतर हो जाएगी। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वैज्ञानिकों को इस जीवनदायी तरल के नए स्रोत खोजने होंगे क्योंकि स्वच्छ पानी के मौजूदा स्रोतों और रिसाइकलिंग से प्राप्त पानी से मानव जरूरतें पूरी नहीं होंगी। जलवायु परिवर्तन के अनुमानों के अनुसार शुष्क क्षेत्र और सूख जाएंगे और आर्द्र क्षेत्र अधिक आर्द्र हो जाएंगे। पानी की कमी का सामना करने वाले मौजूदा क्षेत्रों में भविष्य में और भी अधिक सूखे पड़ेंगे, जिससे समस्या और गंभीर हो जाएगी। दुनिया के विज्ञानी स्वच्छ जल के संकट की गंभीरता से वाकिफ हैं और वे इसके नए स्रोत खोजने में जुट गए हैं।

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने मीठे पानी के अप्रयुक्त स्रोतों का दोहन करने के लिए नई संरचनाओं का प्रस्ताव रखा है। इलिनॉय विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि ताजे पानी की असीमित आपूर्ति पृथ्वी के महासागरों के ऊपर जल वाष्प के रूप में मौजूद है। फिर भी अभी तक इसका दोहन नहीं किया जा सका है। सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के प्रोफेसर प्रवीण कुमार के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में दुनिया के 14 ऐसे क्षेत्रों का मूल्यांकन किया गया है जहां जल संकट बना रहता है। अध्ययन में समुद्र के ऊपर से जल वाष्प को पकड़ने और इसे ताजे पानी में बदलने के लिए एक काल्पनिक संरचना की व्यवहार्यता का भी आकलन किया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि निरंतर जलवायु परिवर्तन की स्थिति में भी इस नए जल स्रोत का उपयोग संभव होगा। प्रो. प्रवीण कुमार ने कहा कि हमें लगता है कि हमारा नया प्रस्तावित तरीका बड़े पैमाने पर ऐसा कर सकता है। यह पहला अध्ययन है जिसमें दुनिया के विभिन्न स्थानों में ताजे पानी की सीमित आपूर्ति के समाधान के रूप में समुद्री जल वाष्प के दोहन में सक्षम नए बुनियादी ढांचे में निवेश का सुझाव दिया गया है। पानी की कमी एक वैश्विक समस्या है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में कोलोराडो नदी घाटी में घटते जल स्तर से समूचा पश्चिमी अमेरिका प्रभावित है। गर्म क्षेत्रों के समुद्रों में लगातार पानी का वाष्पीकरण हो रहा है क्योंकि पूरे वर्ष बादलों का बहुत कम आवरण होने के कारण अधिक सौर विकिरण होता है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, क्लाउड सीडिंग और खारे पानी को मीठा करने की तकनीकों को केवल सीमित सफलता मिली है। खारे पानी को मीठा करने के लिए

दुनिया के कुछ क्षेत्रों में स्थापित किए गए संयंत्रों को नमकीन और भारी धातु से भरे अपशिष्ट जल के कारण स्थायित्व के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। कैलिफोर्निया ने हाल ही में इस तरह के नए संयंत्रों को जोड़ने के उपायों को खारिज कर दिया है। शोधकर्ताओं ने 210 मीटर चौड़ी और 100 मीटर ऊंची काल्पनिक अपतटीय संरचनाओं की तैनाती का वायुमंडलीय और आर्थिक विश्लेषण किया है। अपने विश्लेषण के माध्यम से शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि दुनिया में पानी की कमी वाले क्षेत्रों में समुद्र की सतहों पर नमी को पकड़ना संभव है। प्रस्तावित संरचनाओं से अनुमानित जल उत्पादन से बड़ी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छ जल की आपूर्ति की जा सकती है। इस अध्ययन में शामिल शोधकर्ता अफीफा रहमान ने कहा कि जलवायु अनुमानों से पता चलता है कि समुद्री वाष्प प्रवाह समय के साथ और बढ़ेगा और इससे अधिक ताजे पानी की आपूर्ति होगी। इस बीच, हमारे ग्रह की सतह पर मौजूद पानी के पर्यवेक्षण के लिए गत 16 दिसंबर को स्वोट मिशन को पृथ्वी की निम्न कक्षा में भेजा गया है। नासा और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी के इस मिशन में कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी और ब्रिटिश अंतरिक्ष एजेंसी का भी योगदान है। स्वोट पहली बार पृथ्वी की सतह पर मौजूद लगभग समस्त जल का सर्वेक्षण करेगा। इस ग्रह पर जीवन के लिए पानी जरूरी है। लेकिन यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन द्वारा पृथ्वी के वायुमंडल में फंसी अतिरिक्त गर्मी और कार्बन को संगृहीत करने तथा स्थानांतरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमारे मौसम और जलवायु को भी प्रभावित करता है। स्वोट मिशन शोधकर्ताओं को यह पता लगाने में मदद करेगा कि आज पानी कहां है, कहां से आ रहा है और कल कहां होगा। हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि जल संसाधन कैसे बदल रहे हैं और इन परिवर्तनों का स्थानीय पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

तीन साल के मिशन में स्वोट उपग्रह पृथ्वी की 90 प्रतिशत से अधिक सतह पर स्वच्छ पानी के जलाशयों और समुद्रों में मौजूद पानी की ऊंचाई को मापेगा। इस डेटा से यह जानने में मदद मिलेगी कि समुद्र जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रभावित करता है। कैसे एक गर्म दुनिया झीलों, नदियों और जलाशयों को प्रभावित करती है और लोग किस तरह बाढ़ जैसी आपदाओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं।

# अभी और संवरनी है अयोध्या

शंभूनाथ शुक्ल

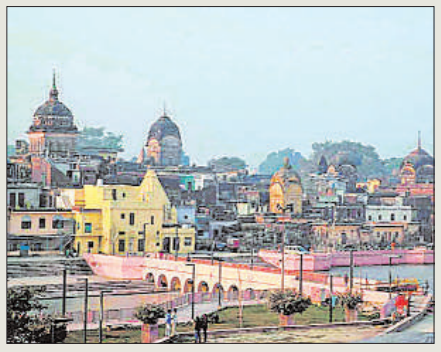

पिछले दिनों 31 दिसंबर और पहली जनवरी को अयोध्या में लगभग पांच लाख श्रद्धालु आए। यह सरकारी आंकड़ा है, कुछ लोग इसे आठ-दस लाख भी बताते हैं। सारे होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशोलाएं भरी हुई थीं। बहुत से लोग मंदिरों में कोई कोना देख कर सो लिए। सरयू के घाटों पर तिल रखने की भी जगह नहीं थी। लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, सुल्तानपुर के लोग तो सुबह आए और शाम को लौट लिए, लेकिन जो लोग दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र व तमिलनाडु से आए थे, उनके लिए विवशता थी। इसकी एक वजह तो यह है कि सरकारी तौर पर यह कभी नहीं जारी किया जाता कि उत्तर के मैदानी शहरों और तीर्थों में नवंबर से फरवरी के बीच यात्रा नहीं करनी चाहिए। यहां तो यात्रा के लिए मार्च, अप्रैल अथवा सितम्बर, अक्टूबर में ही सुहाने मौसम हैं।

अयोध्या का विकास तो बहुत हो रहा है। ज्यों-ज्यों मंदिर का निर्माण कार्य तेज हो रहा है, त्यों-त्यों उसकी चर्चा भी है। देश और विदेश के श्रद्धालु भगवान राम की नगरी अयोध्या में आने को आतुर रहते हैं। किंतु अयोध्या में ढंग के होटल नहीं हैं, गेस्ट हाउस सरकारी हैं और उनमें ठहरने के लिए आम पब्लिक को अनुमति नहीं है। रेलवे के रिटायरिंग रूम में भला कितने लोग ठहर सकते हैं। यह सब देख कर लगता है कि राम जन्मभूमि मंदिर का प्रचार तो बहुत अधिक हुआ है, पर यहां अभी व्यवस्थाएं अपेक्षित हैं। राम मंदिर निर्माण के पूर्व अयोध्या का विकास करना था। सरकार स्वयं या निजी हाथों में जमीन देकर होटलों का संचालन करवाती। उनकी दरें भी निर्धारित करती। अब अयोध्या में जमीन की लूट तो शुरू हो गई है, लेकिन इस जमीन पर न तो अब खेती हो रही है न निर्माण कार्य। कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, मुंबई और गुजरात के इन्वेस्टर जमीन खरीद कर छोड़ देते हैं, ताकि और महंगी होने पर उन्हें बेचा जा सके। किंतु इस जमीन का फिलहाल उपयोग क्या है? बेहतर होता सरकार खुद जमीन खरीद कर उसे विकसित करवा कर बेचती। इससे विकास समान रूप से होता। अभी तो हाल यह है, कि खेतिहर जमीन किसान बेच रहा है। कोई निर्धारित दर नहीं है। शहर के अंदर की जमीन दो से तीन हजार रुपये वर्गफुट है, और हाईवे के किनारे-किनारे खेतिहर जमीन 50 लाख रुपये एकड़।

अभी राम मंदिर बनने में एक साल का तो समय लगेगा ही। खुद राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति से जुड़े लोग भी ऐसा मान रहे हैं। हालांकि, हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने एक जनसभा में ये घोषणा की कि 1 जनवरी 2024 तक राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। जहां तक शहर के रास्तों का सवाल है, सड़क किनारे के लोग अपनी दुकानें और मकानों का कुछ हिस्सा स्वयं हटा रहे हैं। सरकार की तरफ से उन्हें उनका भुगतान भी किया जा रहा है। दरअसल अयोध्या को विकसित करने की योजना पूर्व में कभी बनाई नहीं गई, इसलिए अयोध्या की सड़कें और गलियां बहुत संकरी थीं। कुछ गलियों में से चार आदमी भी समानांतर नहीं चल सकते थे। उधर पिछले तीन साल में आवाजाही खूब बढ़ी है।

वीवीआईपी तो आते ही हैं, हर तीज-त्योहार में आम जनता भी उमड़ने लगती है। पुलिस-प्रशासन के अभी से हाथ-पांव फूले हैं कि 14 जनवरी को क्या होगा? जब 31 दिसंबर और पहली जनवरी को भीड़ इतनी अधिक थी तो 14 को तो मकर संक्रांति है और उस दिन तो हिंदुओं का एक बड़ा पर्व है। इतनी सर्दी में इन श्रद्धालुओं को कहां रोका जाएगा, यह एक यक्ष प्रश्न है। पिछले कुछ वर्षों से विश्व के अन्य देशों में बसे हिंदुओं में भी अयोध्या, काशी, मथुरा, रामेश्वरम, जगन्नाथपुरी, द्वारिका आदि तीर्थ-स्थलों की यात्रा का रुझान खूब बढ़ा है। मगर अयोध्या आज की तारीख में पूर्ण रूप से अविकसित है। कुछ होटल हैं जरूर, पर उन्हें रहने लायक भी नहीं कहा जा सकता। सरयू के तट पर राम पैड़ी बना कर सरकार ने इसे पिकनिक स्पॉट के तौर पर विकसित करने की कोशिश की है। लेकिन एक तो यहां खुली जगह कम है, दूसरे काम की क्वालिटी बहुत खराब है। फर्श में पत्थर उखड़े पड़े हैं। कोई छाया का प्रबंध नहीं है। सरयू के घाटों पर पानी नहीं है और उस तरफ तो इतनी गंदगी है कि पांव भी संभाल-संभाल कर रखना पड़ता है। राम की पैड़ी के करीब लता मंगेशकर चौक बनाया गया है। किंतु ठीक उसके ऊपर से हाई-टेंशन लाइन गुजर रही है और इस चौक के बीच में बने पार्क में पत्थरों से जो वीणा बनाई गई उसकी ऊंचाई इतनी अधिक है कि हाई टेंशन लाइन और उसके सिरे के बीच फासला पांच फिट से भी कम का है। अयोध्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए फाइव स्टार होटल बनाने पड़ेंगे।

इसके अतिरिक्त बहुत से औसत दर्जे के होटल भी। लखनऊ से अयोध्या राजमार्ग को एक्सप्रेस वे बनाना होगा, जो कम से कम आठ लेन का हो। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी होना चाहिए, ताकि कंप्लीट राम मंदिर बनने के बाद यहां देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को असुविधा न हो। यहां राम मंदिर के अतिरिक्त और भी सैकड़ों मंदिर हैं, उनके प्राचीन स्वरूप को संरक्षित करना होगा। हनुमान गढ़ी और कनक भवन (सीता जी का मंदिर) यहां के दो अत्यंत प्रतिष्ठित मंदिर हैं। लेकिन यहां तक पहुंचना बहुत दुष्कर है। हनुमान गढ़ी की सीढ़ियों को आरामदायक बनाना आवश्यक है। यूं कनक भवन सुंदर बना है, लेकिन वहां तक पहुंचने का मोटर मार्ग ठीक किया जाए। अयोध्या तीर्थ विकास प्राधिकरण बने। तब अयोध्या का त्वरित विकास होगा और अयोध्या विश्व मानचित्र पर उभरेगी।

# दिल-दिमाग और पेट की समस्याओं को बढ़ा देता है गुस्सा

आपने लोगों को कहते सुना होगा कि गुस्से में दिमाग फटने लगता है, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा खतरनाक है। गुस्सा पूरे शरीर को बीमार कर देता है। ये चिंता से भी ज्यादा खतरनाक है, याददाश्त भी कमजोर होती है, यह दिमाग ही नहीं, दिल और पेट भी खराब करता है। यह पुरानी बीमारियों को उभार देता है। बाल्टीमोर के जॉन हॉपकिंस अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर इलन शोर विटस्टीन कहते हैं- गुस्से या हताशा में शरीर के न्यूरो हॉर्मोनल सिस्टम पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है, जो इमरजेंसी तक पहुंचा सकता है। लंबे समय में मौत तक हो सकती है। गुस्सा हमारे कार्डियो वस्कुलर सिस्टम से नर्वस सिस्टम तक को प्रभावित करता है।

## बढ़ जाती है पेट की परेशानी

भावनाओं और पेट का गहरा संबंध है। गुस्से की वजह से गैस्ट्रो की समस्या होने लगती है। खाना पचता नहीं है। कब्ज रहने लगता है। डॉक्टर एटिनजिन कहते हैं- गुस्से में पेट की मांसपेशियां ज्यादा सक्रिय हो जाती हैं। कई बार आंते अपनी जगह से हट जाती हैं। इससे डायरिया तक हो सकता है। कई बार गुस्से की वजह से पेट में मरोड़ भी पड़ने लगते हैं। कई बार भूख लगना बंद हो जाती है।

## हार्टअटैक का बढ़ जाता है खतरा

ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम के विशेषज्ञ डॉक्टर विटस्टीन कहते हैं- गुस्सा धमनियों को संकुचित करता है। पहले से कोई कार्डियोवस्कुलर बीमारी जैसे हाई बीपी या हाई कोलेस्ट्रॉल है तो दिल का दौरा पड़ सकता है। डॉक्टर विटस्टीन कहते हैं- गुस्से से बीपी बढ़ने, नसों के सिकुड़ने के साथ इम्यून सिस्टम से पचाने वाले सेल निकलते हैं। यह सब एक साथ होता है। इससे धमनियां ब्लॉक हो जाती हैं।

## दिमाग सही फैसले नहीं ले पाता

गुस्से में दिमाग सही फैसले नहीं कर पाता। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में मनोरोग और बिहेवियरल न्यूरोसाइंस के प्रोफेसर डॉक्टर रोयसे ली कहते हैं- किसी खास वजह से उत्तेजित होने पर दिमाग कुछ कर दिखाने के लिए भी प्रेरित करता है। ली कहते हैं- इंसान गुस्से में वह कह और कर जाता है, जिसे वह पसंद नहीं करता। गुस्से में याददाश्त कमजोर होती है। किसी चीज पर केंद्रित नहीं हो पाते।

## रोजाना सूर्योदय से पहले उठना गुस्सा कम करने में होता है सहायक

## खुद को फिट रखें और पूरी नींद लें

येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में क्लिनिकल मनोविज्ञानी और प्रोफेसर डॉक्टर वीलियम बर्ग कहते हैं- गुस्सा रोक पाना हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन हम इसे कम कर सकते हैं। ध्यान, प्राणायाम के साथ खुद को फिट रखें और पूरी नींद लें। इससे गुस्सा कम आएगा।

## हंसना मना है

मुर्गी : एक अंडा देना, शॉपकीपर : अंडा तो तुम देती हो, मुर्गी : हॉ पर मेरे पति ने कहा है की 4 रु के लिए क्यों अपना फिगर खराब कर रही हो!

जब घर में बच्चा पैदा होता है, मां: इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप : इसकी आंखे मुझ पर गयी हैं, चाचा : इसके बाल मुझ पर गए हैं, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं हरामखोर किस पर गया है।

पापा: नालायक इतनी रात को कहां से आ रहा है? भोलू: अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने गया था। पापा: किस लिए? भोलू: हां पापा, 7-8 तो किस ले ही लिए।

ससुर ने दामाद से कहा: 6 साल मे 8 बच्चे.. ये क्या है? दामाद: मैने आपसे कहा था गरीब जरूर हुं, पर आपकी बेटी को कभी खाली पेट नहीं रखूंगा!

एक दिन संता अपनी भाभी को पिट रहा था, राह चलते लोगो ने पूछा क्यो मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला: मेरी भाभी अच्छी औरत नहीं है, लोगो ने पूछा: क्यों क्या हुवा? संता बोला: यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिसे भी पुछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरे भाभी से।

## कहानी | हाथी और बकरी

एक जंगल में एक हाथी और एक बकरी रहते थे। दोनों पक्के दोस्त थे। दोनों साथ में मिलकर हर दिन खाने की तलाश करते और साथ में ही खाते थे। एक दिन खाने की तलाश में जंगल से बहुत दूर निकल गए। वहां उन्हें एक तालाब दिखाई दिया। उसी तालाब के किनारे एक बेर का पेड़ था। बेर का पेड़ देखकर हाथी और बकरी बहुत खुश हुए। वह दोनों बेर के पेड़ के पास गए, फिर हाथी ने अपनी सूंड से बेर के पेड़ को जोर से हिलाया और जमीन पर पके हुए बेर गिरने लगे। बकरी जल्दी-जल्दी बेरों को इक्ट्ठा करने लगी। संयोगवश उसी बेर के पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला भी था, जिसमें चिड़िया का एक बच्चा सो रहा था और चिड़िया दाने की खोज में कहीं गई हुई थी। बेर का पेड़ जोर से हिलाने के कारण चिड़िया का बच्चा घोंसले से बाहर तालाब में गिर पड़ा और डूबने लगा। चिड़िया के बच्चे को डूबता देख बकरी तालाब में कूद गई, लेकिन बकरी को तैरना नहीं आता था। इस वजह से वह भी तालाब में डूबने लगी। बकरी को डूबता देख हाथी भी तालाब में कूद गया और उसने चिड़िया के बच्चे और बकरी, दोनों को डूबने से बचा लिया। इतने में चिड़िया भी वहां पर आ गई और वह अपने बच्चे को सही-सलामत देखकर बहुत खुश हुई। उसने हाथी और बकरी को इसी तालाब और बेर के पेड़ के पास रहने के लिए कहा। तब से हाथी और बकरी भी चिड़िया के साथ उस बेर के पेड़ के नीचे रहने लगे। कुछ ही दिनों में चिड़िया का बच्चा बड़ा हो गया। चिड़िया अपने बच्चे के साथ जंगल में घूम कर आती थी और हाथी और बकरी को जंगल में किस पेड़ पर फल लगे हैं, इसकी जानकारी देती थी। इस तरह हाथी, बकरी, और चिड़िया मजे में रहते और खाते-पीते थे।

## 7 अंतर खोजें

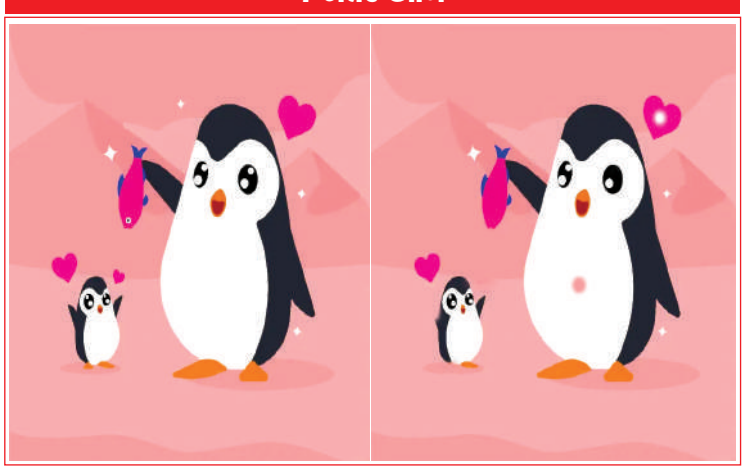

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। कुछ महत्वपूर्ण लोगों से कॉन्टैक्ट हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

**वृषभ**

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको खुश रखेंगे और सुकून देंगे। खर्च करते वक्त खुद आगे बढ़ने से बचें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर लौटेंगे।

**मिथुन**

बिजनेस में अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। पार्टनर से आपको सहयोग मिल सकता है। पार्टनर का सुझाव आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

**कर्क**

अगर आप अपनी रचनात्मकता को बढ़ाना चाहते हैं तो आज का दिन बहुत ही अच्छा है। आपकी व्यापारिक यात्रा लाभदायक रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी व निवेश से लाभ होगा।

**सिंह**

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। वर्तमान स्थिति से संतुष्ट रह सकते हैं। बच्चों के साथ आपका समय बेहतर बीतेगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले थोड़ा सोच समझकर लें।

**कन्या**

काम के बीच-बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। इस बात में सावधानी बरतें कि आप किसके साथ आर्थिक लेन-देन कर रहे हैं।

**तुला**

आपको मेहनत से सफलता मिलेगी। आपकी इच्छाएं पूरी भी हो जाएंगी। प्रमोशन मिलने के पूरे चांस भी बन रहे हैं। किसी भी तरह का मौका न जाने दें।

**वृश्चिक**

लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं। नए लोगों से दोस्ती के योग बन रहे हैं। घर-परिवार में अपनों के लिए कुछ अच्छा सोचेंगे तो कुछ बेहतर करने की प्रेरणा जगेगी।

**धनु**

आज आप व्यावहारिक रहेंगे। इस राशि के जो लोग कंट्रक्शन का कार्य कर रहे हैं, उन्हें कोई बड़ा फायदा होगा। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी मिलेगी।

**मकर**

जब सेहत से जुड़ा मामला हो तो खुद को अनदेखा नहीं करना चाहिए और सावधानी बरतनी चाहिए। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें।

**कुम्भ**

करियर संबंधी कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है। दुश्मनों पर आप हावी रहेंगे। पुराने विवाद भी सुलझाने की कोशिश करेंगे और स्थिति अपने फेवर में कर लेंगे।

**मीन**

आज नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे। कोई नया काम शुरू करने से पहले संबंधित अनुभवी व्यक्ति से सलाह कर लें। आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ सकती है।

## पंत से मिलने हॉस्पिटल पहुंचीं उर्वशी रौतेला! यूजर्स बोले-

# ये लड़की पागल है!

दी भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ बल्लेबाज ऋषभ पंत बीते 30 दिसंबर को एक कार एक्सीडेंट का शिकार हो गए थे। उसके बाद से ऋषभ का लगातार हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हाल ही में ऋषभ पंत को देहरादून से एयरलिफ्ट कर मुंबई के कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। इस बीच हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने ऋषभ पंत के एडमिटेड हॉस्पिटल की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है।

ऋषभ पंत के कार एक्सीडेंट के बाद से बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला कई बार उनके लिए सलमाती की दुआ मांग चुकी हैं। इतना ही नहीं उर्वशी की मां मीरा सिंह रौतेला ने भी ऋषभ पंत के जल्द ठीक होने की कामना की है। मौजूदा समय में ऋषभ पंत का इलाज मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में जारी है। अब भला इस मौके पर उर्वशी रौतेला सुर्खियों बटोरने से कैसे पीछे रह सकती हैं।

बॉलीवुड मसाला

दरअसल गुरुवार को उर्वशी रौतेला ने इसी हॉस्पिटल की तस्वीर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी में शेयर किया है, जिसमें ऋषभ का इलाज चल रहा है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर ये बज बन गया है कि क्या उर्वशी रौतेला ऋषभ पंत से मिलने के लिए हॉस्पिटल पहुंची हैं। साथ ही तमाम यूजर्स इसके चलते उर्वशी रौतेला को ट्रोल कर रहे हैं।

### ट्रोल हुईं उर्वशी

सोशल मीडिया पर तमाम लोग उर्वशी रौतेला को इसलिए ट्रोल कर रहे हैं कि उनका मानना है कि बी टाउन एक्ट्रेस क्रिकेट ऋषभ पंत के नाम के जरिए फेम कमाने का काम कर रही हैं। इस बीच एक ट्विटर यूजर ने ट्वीट कर लिखा है कि- ये लड़की पागल है क्या। दूसरे यूजर ने लिखा है कि-फेम कमाने का क्या घटिया तरीका है। मालूम है कि वह एक बड़े हादसे से गुजरे हैं। यह अब मनोरंजन का जरिया नहीं है। बल्कि मानसिक उत्पीड़न का मामला है। इस तरह यूजर्स उर्वशी को जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं।

# उर्फी जावेद ने की साजिद की आलोचना

बिग बॉस ओटीटी फेम और सोशल मीडिया सनसनी उर्फी जावेद ने बिग बॉस-16 के हालिया एपिसोड में अर्चना गौतम पर हाथ उठाने के लिए एमसी स्टेन को उकसाने पर फिल्म निर्माता साजिद खान की आलोचना की है। उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह भी बताया कि साजिद यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद अपनी छवि को साफ करने के लिए शो में आए थे। उर्फी ने लिखा, साजिद खान ने सोचा था कि बिग बॉस में आने से छवि साफ हो जाएगी, लेकिन उसने अपना असली रंग दिखा दिया। वह वास्तव में एक महिला प्रतियोगी को मारने के लिए एक साथी प्रतियोगी को उकसा रहे हैं। उसके व्यक्तित्व से बदबू आ रही है।

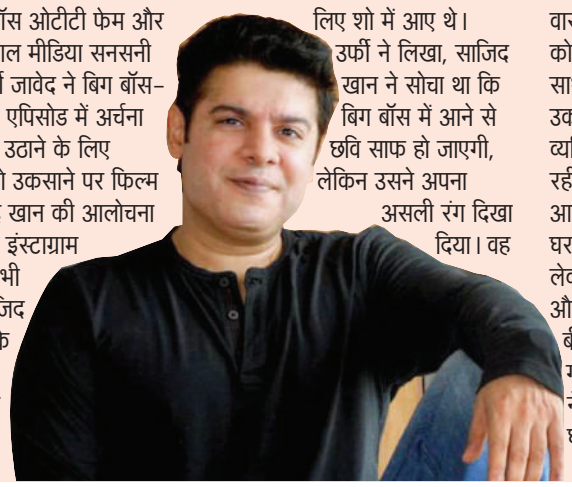

आपको बता दें कि घर में ड्यूटी को लेकर अर्चना और स्टेन के बीच अनबन हो गई। अर्चना ने रैपर पर घर की सफाई नहीं करने का आरोप लगाया था। इसने एक अप्रिय मोड़ ले लिया और बयानबाजी शुरू हो गई। स्टेन तब शो से बाहर निकलना चाहते थे और साजिद ने उन्हें अर्चना को थप्पड़ मारने और फिर शो छोड़ने के लिए कहा। इसी के चलते हुए शो में बहुत बड़ा विवाद तो देखने को मिला ही साथ ही सोशल मीडिया पर भी कई सारे सवाल उठे, ऐसे में उर्फी ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी है।

बॉलीवुड | मन की बात

# फिल्म उद्योग के खिलाफ नफरत मिटाने में मदद करें योगी : शेट्टी

सुनील शेट्टी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया कि हिंदी फिल्म उद्योग के खिलाफ नफरत को मिटाने में मदद करें और सोशल मीडिया पर बॉलीवुड के बहिष्कार के चलन से मुक्ति दिलाएं। योगी आदित्यनाथ दो दिन की मुंबई यात्रा पर थे। उन्होंने इस दौरान सुनील शेट्ठी, सुभाष घई, जैकी श्रॉफ, राजकुमार संतोषी, मनमोहन शेट्टी और बोनी कपूर समेत फिल्म जगत के लोगों से मुलाकात की। इस बैठक का एजेंडा नोएडा फिल्म सिटी में शूटिंग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करना था। इसी दौरान अभिनेता सुनील शेट्टी ने फिल्म जगत की समस्या को सामने रखा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से यह अनुरोध भी किया कि बॉलीवुड पर लग रहे ''धब्बे'' को मिटाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप कराने में मदद करें।

बता दें कि लखनऊ में अगले महीने होने वाले 'ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट' से पहले आदित्यनाथ दो दिन के लिए मुंबई के दौरे पर आए। उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कार्यक्रम से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मुंबई के ताज होटल में इन्वेस्टर्स को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि धर्म के प्रदेश से अर्थ के प्रदेश में आए हैं। यूपी में 5 साल पहले लोग अपनी पहचान बताने से कतराते थे लेकिन आज गर्व से वो उत्तर प्रदेश का बताने से सकुचाते नहीं। सीएम योगी ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों से मुलाकात की और बैठक में नोएडा फिल्म सिटी में शूटिंग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इसी के चलते सुनील शेट्टी ने सीएम योगी से अपील की और कहा कि बॉलीवुड पर लग रहे ''धब्बे'' को मिटाने में पीएम मोदी से हस्तक्षेप कराने में मदद करें।

# दुनिया का सबसे छोटा द्वीप, घर से भी छोटा है इसका आकार

आपने दुनिया के खूबसूरत आइलैंड के बारे में सुना होगा। लेकिन दुनिया में बहुत से ऐसे भी आइलैंड हैं जिनके बारे में लोगों को बहुत कम ज्ञात है। ऐसा ही एक आइलैंड हैं जिसे दुनिया का सबसे छोटे आइलैंड का दर्ज प्राप्त है। सुनने में आपको भले ही अजीब लगे लेकिन ये सच है कि दुनिया का सबसे छोटा आइलैंड इतना छोटा है कि वहां सिर्फ एक घर के अलावा सिर्फ एक पेड़ ही नजर आता है। दरअसल, न्यूयॉर्क के एलेक्जेंड्रिया बाय के पास एक छोटा सा आइलैंड स्थित है। जिसे दुनिया का सबसे छोटा आइलैंड माना जाता है। इस आइलैंड का नाम जस्ट रूम इनफ है। इस आइलैंड का साइज एक टेनिस कोर्ट के बराबर है। इससे भी ज्यादा आश्चर्य की बात यह है कि इस आइलैंड पर सिर्फ एक घर और एक पेड़ ही मौजूद है। जस्ट रूम इनफ आइलैंड इतना छोटा है कि यह एक घर के एक कोने से शुरू होकर उसी घर के दूसरे कोने पर खत्म हो जाता है। बता दें कि पूरी दुनिया में करीब 2000 से ज्यादा आइलैंड मौजूद हैं और ये आइलैंड भी उनमें से एक ही है। इस आइलैंड का आकार सिर्फ 3,300 स्क्वायर फीट जगह में है। इसका नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज है। बता दें कि इस आइलैंड से पहले बिशप रॉक को दुनिया का सबसे छोटा आइलैंड माना जाता था। लेकिन जस्ट रूम इनफ आइलैंड अब दुनिया का सबसे छोटा आइलैंड बन गया है। जस्ट रूम इनफ आइलैंड बिशप आइलैंड से आधे के बराबर है। पहले इस आइलैंड को हब आइलैंड के नाम से जाना जाता था लेकिन साल 1950 में इस आइलैंड को एक परिवार ने खरीद लिया। उसके बाद उस परिवार के लोगों ने यहां पर एक छोटा सा घर बनाकर एक पेड़ लगवा दिया। कुछ समय बाद उन्होंने इस आइलैंड का नाम बदल कर जस्ट रूम इनफ रख दिया।

अजब-गजब | वर्ल्ड लेजिनेस डे के दिन होता है इस पर्व का आयोजन

# आलसी लोगों का लगता है मेला सोने की होती है प्रतियोगिता

दुनिया में आलसी लोगों की कमी नहीं है। कुछ लोग तो इतने आलसी होते हैं कि, उन्हें आप पानी डाल कर भी नहीं जगा सकते। तेज बारिश में भी उन्हें नहीं जगा सकती। आलसियों का ऐसा ही कुछ नजारा देखने को मिलता है कोलंबिया में जहां दुनियाभर के आलसी इकट्ठे होते हैं और सड़कों पर जहां तहां सोते रहते हैं।

यहां आपको कोई बीच राह में बिस्तर लगाए सोता नजर आएगा तो को किसी पेड़ के नीचे। दरअसल, यह सब वर्ल्ड लेजिनेस डे के दिन नजर आता है। ये दिन आपके लिए अजीब जरूर हो सकता है। मगर यकीन मानिए इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए यहां पूरी दुनियाभर के आलसी आते हैं और इस पर्व का हिस्सा बनते हैं। इस बार ये दिन बीती 19 अगस्त यानी रविवार को कोलंबिया के इतागुई शहर में मनाया गया।

इस दौरान लोग अपने साथ में गद्दे, बिस्तर लेकर आए। इस दौरान लोगों ने अपने बिस्तर रंगबिरंगी लड़ियां भी सजाई और सड़कों पर सोकर इस दिन का आनंद उठाया। बता दें कि ये एक ऐसा दिन है जिस पर इतागुई शहर आलसियों से भर जाता है। कह सकते हैं कि इस दिन लोग पूरा दिन बिस्तर पर आलस में डूबकर बिता सकते हैं। बता दें कि इस सेलीब्रेशन को मनाने के पीछे एक खास वजह है। जो बेहद रोचक है। दरअसल, कोलंबिया के लोग तनाव से लड़ने के लिए हर साल आलस का दिन मनाते हैं। इस बार भी कोलंबिया में लोग अपने गद्दे, बिस्तर लेकर सड़कों पर सोते दिखे। पूरे दिन आलस में डूबे रहने का यह खास दिन कोई नया नहीं बल्कि 1985 से हर साल मनाया जा रहा है। बता दें कि कोलंबिया के उत्तर पश्चिम में स्थित इतागुई शहर की आबादी करीब 2 लाख है। आज से 38 साल पहले एक निवासी मारियो मोंटोया को यह विचार आया था कि, शहर में लोगों के पास आराम का एक दिन होना चाहिए। आलसियों के इस दिन में कुछ प्रतियोगिताएं भी होती हैं, जैसे किसका पजामा सबसे अच्छा दिख रहा है और कौन सबसे तेज बिस्तर पर पहुंचता है।

# कड़ाके की ठंड में कांपी दिल्ली, पहाड़ी क्षेत्रों से भी नीचे आया पारा

## 100 उड़ाने कोहरे की वजह से हुईं लेट

## नौगांव देश का दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर में शीतलहर जारी है। राजधानी दिल्ली के कई जगहों पर पहाड़ी इलाकों से नीचे पारा चला गया। शिमला, मसूरी से भी ज्यादा ठंडा दिल्ली रहा। आयानगर में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि शिमला में 3.7, मसूरी में 4.4 डिग्री सेल्सियस रहा। कोहरे की वजह से 100 उड़ाने लेट हुई हैं। इधर, देश के सबसे सर्द रात वाले शहरों में मध्यप्रदेश के छतरपुर का नौगांव देश का दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। यहां रात का तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान शिमला, मसूरी, नैनीताल से भी नीचे पहुंच चुका है। 6 जनवरी को आयानगर में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रिज इलाके में न्यूनतम तापमान 3. 3 और सफदरजंग में 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि शिमला में 3.7, मसूरी में 4.4 और नैनीताल में 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी में कोहरे के चलते विमानों को भी उड़ान भरने में दिक्कत आ रही है और कई-कई घंटे लेट हो रही हैं। 100 में 20 इंटरनेशनल फ्लाइट्स और 80 घरेलू उड़ानें शामिल हैं। आज राजधानी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के आस-पास बताया जा रहा है।

### राजस्थान में सामान्य से 10 डिग्री नीचे पहुंचा तापमान

राजस्थान के 11 शहरों में घने कोहरे और कोल्ड-वेव की वजह से दिन का तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। पिछले एक सप्ताह से राजस्थान में कोल्ड-डे की स्थिति बनी है। घने कोहरे और कोल्ड-वेव के चलते हनुमानगढ़, गंगानगर में दिन का पारा सिंगल डिजिट से ऊपर नहीं गया। इन दोनों शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4.9 सेल्सियस दर्ज हुआ।

### उत्तर भारत में भीषण कोहरे का प्रकोप जारी

दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा समेत उत्तर भारत में कंपकंपाने वाली सर्दी के साथ ही भीषण कोहरे का प्रकोपर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले हफ्ते के शुरुआती तीन दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। दिल्ली में सुबह पालम के आसपास दृश्यता 200 मीटर से भी कम थी। करीब 26 ट्रेनें देर से चलीं। उड़ानें भी कोहरे की वजह से प्रभावित हो रही हैं। उत्तर भारत के अधिकतर इलाकों में घने कोहरे के प्रकोप से 12 जनवरी के बाद कुछ राहत मिलने की संभावना है।

### कानपुर में 21 और लोगों की हुई मौत

कानपुर। प्रदेश में लगातार गिर रहे तापमान के कारण कानपुर में हृदय रोग और ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की संख्या शुक्रवार को 21 पहुंच गई है। इसमें 19 मरीज ऐसे रहे जो हार्ट अटैक का शिकार हुए। वहीं, दो मरीज की मौत ब्रेन स्ट्रोक के कारण हुई। हृदय रोग संस्थान की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, सर्दी के कारण गंभीर मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हृदय रोग संस्थान की इमरजेंसी में 78 और ओपीडी में 547 मरीज हृदय की समस्या लेकर शुक्रवार को पहुंचे। इसमें 46 मरीजों को भर्ती किया गया। अस्पताल में आठ मरीजों की मौत इलाज को दौरान हुई। वहीं, 10 मरीज ऐसे रहे जिनकी मृत्यु अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई थी। उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित किया। इसी प्रकार एलएलआर अस्पताल में दो मरीजों की मौत ब्रेन स्ट्रोक से हुई।

### जोशी मठ में जमीन धंसने से बिगड़ रहे हालात

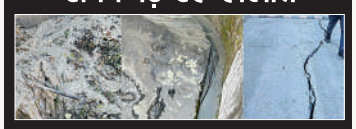

उत्तराखंड के जोशी मठ में जमीन धंस रही है। 561 घरों में दरारें आ गई हैं। इससे लोग दहशत में हैं। 50 हजार की आबादी वाले शहर का दिन तो कट जाता है, लेकिन रात ठहर जाती है। लगातार भूजल रिसाव हो रहा है। हालात बदतर होते जा रहे है। लोग कड़ाके की ठंड में घर के बाहर रहने को मजबूर हैं। उन्हें डर लगा रहता है कि घर कभी भी ढह सकता है। यहां के हालात का जायजा लेने के लिए उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी शनिवार को जोशीमठ जाएंगे। सबसे ज्यादा असर जोशीमठ के रविग्राम, गांधीनगर और सुनील वार्डों में है। यह शहर 4,677 वर्ग किमी में फैला है। हैरान करने वाली बात है कि पिछले 13 साल से ऐसा हो रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हाई लेवल मीटिंग की है। इसमें डेंजर जोन को तत्काल खाली कराने और प्रभावित परिवारों के लिए सुरक्षित जगह पर एक बड़ा पुनर्वास केंद्र बनाने का आदेश दिया गया। साथ ही खतरनाक मकान में रह रहे 600 परिवारों को तत्काल शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए। जिन लोगों के घर रहने लायक नहीं है या क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन परिवारों को किराए के मकान में रहने के लिए कहा गया है, इसके लिए उन्हें हर महीने 4 हजार रुपए दिए जाएंगे। ये राशि 6 महीने तक सीएम रिलीफ फंड से मुहैया कराई जाएगी।

## एयर इंडिया स्टाफ को समन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने न्यूयार्क से दिल्ली आ रही एक फ्लाइट में सहयात्री के साथ कथित तौर पर पेशाब करने की घटना के संबंध में एयर इंडिया के कर्मचारियों को तलब किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पायलट और को-पायलट समेत एयर इंडिया के कर्मचारियों को शुक्रवार के लिए समन जारी किया गया था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि अब उन्हें 7 जनवरी को सुबह 10:30 बजे पुलिस उपायुक्त (हवाईअड्डा) के कार्यालय में तलब किया गया है।

## वंदे भारत हाई-स्पीड ट्रेन फिर भी लग रहे आठ घंटे

» ममता के मंत्री ने कहा- सामान्य ट्रेन का नाम बदलकर वसूला जा रहा अधिक किराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पश्चिम बंगाल को जब से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात दी गई तब से राजनीति भी शुरू हो गई है। पहले ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए अब उनके मंत्री उदयन गुहा ने एक कदम बढ़कर आरोप लगाए हैं। गुहा ने कहा कि सामान्य ट्रेन का नाम बदलकर वंदे भारत ट्रेन कर दिया गया है और हाई-स्पीड ट्रेन का किराया वसूला जा रहा है। अगर हाई-स्पीड ट्रेन है तो हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी जाने में 8 घंटे क्यों लग रहे हैं। आम ट्रेन को वंदे भारत की तरह पेंट करने के लिए लोगों के पैसे का इस्तेमाल न करें।

बता दें कि इससे पहले गुरुवार को ममता बनर्जी ने भी वंदे भारत को लेकर सवाल उठाए थे। ममता ने कहा था कि वंदे भारत में कुछ भी विशेष नहीं। यह बस एक पुरानी ट्रेन है, जिसमें नया इंजन लगाकर इसे नए जैसा बनाया गया है। उन्होंने वंदे भारत पर लगातार दो दिन हुई पत्थरबाजी के मामले में भी जवाब दिया था और कहा था कि गलत जानकारी फैलाने वालों पर उनकी सरकार कार्रवाई करेगी।

### वंदे भारत पर दो बार हो चुका है पथराव

पश्चिम बंगाल में पिछले हफ्ते लगातार दो बार वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की खबरें सामने आई थीं। आरपीएफ के मुताबिक, दूसरी घटना में पथराव के कारण वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच सी3 और सी6 के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। दावा किया गया था कि दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा क्षेत्र के पास ट्रेन के न्यू जलपाईगुड़ी की ओर बढ़ने के दौरान खिड़कियां क्षतिग्रस्त पाई गईं।

## मंदिर से घसीटकर महिला को निकाल दिया बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एक मंदिर में अजीबोगरीब घटना घटी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक मंदिर से महिला को घसीटकर बाहर निकाला जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला को लात और थप्पड़ मारे जा रहे हैं। दरअसल, वायरल वीडियो में महिला और पुजारी के बीच बहस हुए देखा जा सकता है।

महिला, मंदिर के अंदर जाने की जिद कर रही है और पुजारी उसे बाहर निकालने पर अड़ा हुआ है। महिला के विरोध किए जाने के बाद पुजारी ने उसे जबरदस्ती मंदिर से बाहर निकालने की कोशिश की। पुलिस ने पुजारी के खिलाफ किया मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि मंदिर में महिला से मारपीट की घटना 21 दिसंबर की है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पीड़ित हेमवती ने अमृतहल्ली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि अमृतहल्ली इलाके में लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के धर्मदर्शी मुनिकृष्णा ने उनके साथ मारपीट की।

## भारत को लग सकता है झटका

# तेज आर्थिक वृद्धि दर का छिन सकता है दर्जा

» सऊदी अरब की बढ़ रही है रफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मांग में नरमी के साथ विनिर्माण व खनन क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 1.7 फीसदी घटकर 7 फीसदी रह सकती है। ऐसा होने पर भारत सबसे तेज आर्थिक वृद्धि दर वाले देश का दर्जा खो सकता है। सऊदी अरब इससे आगे निकल सकता है, जिसकी वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान में यह संभावना जताई गई है। हालांकि, यह आरबीआई के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से ज्यादा है। 2021-22 में जीडीपी की वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत रही थी।

एनएसओ के मुताबिक, नॉमिनल जीडीपी (बाजार या मौजूदा कीमत पर एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य) भी 2022-23 के दौरान 4.1 फीसदी घटकर 15.4 फीसदी रह सकती है। 2021-22 में यह आंकड़ा 19.5 फीसदी रहा था। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन घटकर 1.6 फीसदी रहने का अनुमान है। 2021-22 में इसमें 9.9 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इसी तरह, खनन क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर कम होकर 2.4 फीसदी रह सकती है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के दौरान 11.5 फीसदी रही थी। 36.43 लाख करोड़ रुपये बढ़ सकता है अर्थव्यवस्था का आकार चालू वित्त वर्ष में नॉमिनल जीडीपी 36.43 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 273.08 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकती है। 2021-22 में यह आंकड़ा 236.65 लाख करोड़ रहा था। वास्तविक जीडीपी या स्थिर मूल्य (2011-12) पर आकार 2022-23 में 157.60 लाख करोड़ रह सकता है। पहले 147.36 लाख करोड़ का अनुमान था।

## सीएम अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल पर लगाए गंभीर आरोप

# जनता की सरकार में बने हैं रोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एमसीडी समेत कई मसलों पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर दिल्ली सरकार की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्र में उपराज्यपाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह चुनी सरकार को दो करोड़ लोगों के सपनों को पूरा करने दें क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में उपराज्यपाल ने गलत तरीके से एमसीडी में 10 सदस्यों को नामित कर दिया, जबकि अब तक दिल्ली सरकार सदस्य नामित करती थी। इसी तरह दिल्ली हज कमेटी का गठन करने में दिल्ली सरकार की अनदेखी की गई है।

**जनहित के कार्यों की कर रहे हैं अनदेखी**

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल व मुख्य सचिव मिलकर समानांतर सरकार चला रहे हैं और चुनी हुई सरकार को दरकिनार कर आदेश व अधिसूचना जारी कर रहे हैं। दुर्भाग्य से दिल्ली की चुनी हुई सरकार की जगह उपराज्यपाल के पास कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की शक्ति है। इस कारण वह उपराज्यपाल के गलत निर्णयों का विरोध नहीं करते है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल सीधे मुख्य सचिव को निर्देश जारी करके निर्वाचित सरकार को दरकिनार और अनदेखा करते है।

इस कड़ी में उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव से एमसीडी में भाजपा पृष्ठभूमि वाले 10 सदस्यों को नामित करा दिया, जबकि एमसीडी में उसके विशेषज्ञों को नामित करने का प्रावधान है। इसके अलावा पिछले कई दशकों से इन 10 सदस्यों को दिल्ली की चुनी हुई सरकार मनोनीत करती थी। इस प्रथा का पालन तत्कालीन उपराज्यपाल अनिल बैजल ने भी किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 243 आर साफ तौर से मनोनीत सदस्यों को सदन में मतदान करने से रोकता है। इस तरह उन्हें एमसीडी सदन में वोट दिलाने की कोशिश असंवैधानिक है। परंपरा यह रही है कि सदन के वरिष्ठतम सदस्य, पार्टी संबद्धता के बावजूद इस कार्य के लिए राज्य सरकार नामित करती है। वहीं इस बार उपराज्यपाल ने भाजपा पार्षद का नाम तय किया और मुख्य सचिव को अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया।

### पुरानी परंपरा को भी किया दरकिनार

केजरीवाल ने कहा एमसीडी अधिनियम के अनुसार पहले दिन सभी पार्षदों को शपथ दिलाने और महापौर का चुनाव कराने के लिए पार्षदों में से एक को पीठासीन अधिकारी के रूप में नामित किया जाता है, जिसके बाद मेयर पदभार ग्रहण करता है। परंपरा यह रही है कि सदन के वरिष्ठतम सदस्य, पार्टी संबद्धता के बावजूद इस कार्य के लिए राज्य सरकार नामित करती है। वहीं इस बार उपराज्यपाल ने भाजपा पार्षद का नाम तय किया और मुख्य सचिव को अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया। दिलचस्प बात यह है कि नामांकित व्यक्ति वरिष्ठतम सदस्य नहीं है। इसलिए पुरानी परंपरा को भी दरकिनार कर दिया गया। इसी तरह उपराज्यपाल ने दिल्ली हज कमेटी के नाम तय किए और मुख्य सचिव को अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया, जबकि निर्वाचित सरकार के पास हज कमेटी गठित करने की शक्ति है, लेकिन यहां भी निर्वाचित सरकार को दरकिनार कर दिया गया।

# कैथोलिक चर्च की पत्रिका में विजयन सरकार पर कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। कैथोलिक चर्च त्रिसूर सूबा ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को जमकर फटकार लगाई है। त्रिसूर सूबा ने निष्कर्ष निकाला है कि पिनाराई विजयन ने केरल को एक ऐसे राज्य में बदल दिया है जहां भगवान की महिमा और लोगों में शांति गायब हो चुकी है।

हर नए साल के मौके पर चर्च की ओर से एक प्रकाशन निकाला जाता है जिसमें किसी भी समस्या के बारे में लिखा जाता है इस बार की संपादकीय में यही विषय रहा है। इस बार संपादकीय का शीर्षक शांति बनाए रखने के लिए सरकार की भूमिका है। इसमें विजयन सरकार के प्रति असंतोष को जाहिर किया गया है। इसमें कई अहम मुद्दों के बारे में बात की गई है। जैसे कि विजयन सरकार की जनता से दूरी, विझिंजम बंदरगाह को लेकर प्रदर्शन, बफर जोन और बैंक डोर नियुक्तियां ने शासन पर गंभीर सेंध लगाई है। इसमें साफ-साफ कहा गया है कि विजयन सरकार द्वारा लिए जा रहे फैसले लोगों के मन में अशांति पैदा कर रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि फैसला लेने वाले यहां के लोगों की जरूरतों को नहीं समझ सके हैं।

# लखनऊ नहीं स्थानांतरित होगा उच्च शिक्षा निदेशालय

**30 दिसंबर को जारी किया गया था शासनादेश**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उच्च शिक्षा निदेशालय को लखनऊ स्थानांतरित किए जाने के मामले में उत्तर प्रदेश शासन में विशेष सचिव डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र ने सफाई दी है। उन्होंने उच्च शिक्षा निदेशक को भेजे पत्र में लिखा है कि निदेशालय के कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है कि संपूर्ण निदेशालय को लखनऊ स्थानांतरित किए जाने का निर्णय लिया गया है। जबकि अभी ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया।

वहीं कर्मचारियों ने शुक्रवार को भी आंदोलन किया और कहा कि 30 दिसंबर को जारी शासनादेश को निरस्त किया जाए। विशेष सचिव डॉ. अखिलेश मिश्र ने उच्च शिक्षा निदेशक को भेजे पत्र में लिखा है कि उच्च शिक्षा विभाग के निदेशालय, शासन व अन्य प्रशासनिक शाखाओं के बीच समुचित समन्वय करने के लिए शासन स्तर पर विचार किया जा रहा है एवं निदेशालय, उच्च शिक्षा को पूर्ण रूप से लखनऊ

में स्थापित करने का कोई भी निर्णय किसी भी स्तर पर अभी तक नहीं लिया गया है। प्रयागराज से उच्च शिक्षा निदेशालय लखनऊ स्थानांतरित नहीं होगा,कोई नया कार्यालय आये जो है वह नहीं जाये,यही प्रयास था है और रहेगा,ग़लत आदेश जारी करने की होगी।अब प्रशासनिक व विधिक दृष्टिकोण से सक्षम स्तर पर जो भी निर्णय होगा, उसी के आधार आगे की कार्रवाई की जाएगी। 30 दिसंबर को विशेष सचिव ने उच्च शिक्षा निदेशक को पत्र भेजकर शासकीय कार्य हित में उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज को स्थानांतरित कर लखनऊ में प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव मांगा था।

# पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी दिल्ली से गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और बेटे इमरान कुरैशी को देर रात दिल्ली से मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि पिता-पुत्र दिल्ली के चांदनी चौक में अपने रिश्तेदार के यहां पर छिपे थे। दोनों को पुलिस दिल्ली से मेरठ लेकर आ रही है।

**बेटे इमरान को भी पुलिस ने पकड़ा**

**50-50 हजार का इनाम था दोनों पर**

गौरतलब है कि 31 मार्च 2022 को हापुड़ रोड पर याकूब कुरैशी की फैक्टरी में पुलिस ने छापा मारा था। जहां पर अवैध तरीके से मीट पैकिंग का काम चल रहा था। पुलिस ने याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम और बेटे इमरान व फिरोज के खिलाफ सहित 17 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद मेरठ पुलिस ने याकूब कुरैशी और उनके परिवार सहित 7 लोगों पर गैंगस्टर की धारा में मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। आरोपी याकूब का बेटा फिरोज कोर्ट में सरेंडर करके एक माह पहले जेल चला गया, जबकि पत्नी संजीदा बेगम अग्रिम जमानत पर बाहर हैं।

याकूब कुरैशी और बेटे इमरान पर आईजी मेरठ रेंज ने 50-50 हजार का इनाम कर दिया था, दोनों की तलाश में मेरठ पुलिस के साथ एसटीएफ भी लग गई थी।

सटीक लोकेशन मिलने पर मेरठ की एसओजी टीम ने आरोपी पिता-पुत्र को देर रात दिल्ली के चांदनी चौक थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पिता-पुत्र अपने एक रिश्तेदार के घर पर ही ठहरे हुए थे। याकूब कुरैशी और उनकी बेटे की गिरफ्तारी होने की जानकारी लगते ही याकूब के समर्थकों में खलबली मच गई।

# सीजेआई ने बेटियों को दिखाया सुप्रीम कोर्ट का कामकाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जज और वकील उस समय हैरान रह गए जब चीफ जस्टिस डी. वाई चंद्रचूड़ अपनी 2 बेटियों को साथ लेकर कोर्ट पहुंचे। चीफ जस्टिस डी. वाई चंद्रचूड़ ने अपनी दो बेटियों (16 साल की माही और 20 साल की प्रियंका) को सुप्रीम कोर्ट में अपना चैंबर और फिर पूरे कोर्ट के रूम दिखाए। इस दौरान चीफ जस्टिस ने अपनी बेटियों को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में उनका काम क्या है और वह कहां बैठते हैं। बता दें कि, चीफ जस्टिस शुक्रवार, 6 जनवरी की सुबह 10 बजे कोर्ट पहुंचे थे, वह अपनी दोनों बेटियों को साथ लेकर सार्वजनिक दीर्घा से कोर्ट रूम में दाखिल हुए, उसके बाद वह अपनी बेटियों को रूम नंबर-1 के कोर्ट में ले गए, वहां उन्होंने बेटियों को दिखाया कि किस तरह काम होता है।

# नफरत की जमीन पर बन रहा राम मंदिर: जगदानंद सिंह

**बोले-भगवान आलीशान इमारत में बंद नहीं रह सकते**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल राजद) के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि भारत की भूमि राम और कृष्णमय मानी जाती थी। अब सब खत्म हो गया है। अब राम रामायण से भाग जाएंगे। कण-कण से हट जाएंगे। यह भारत राम का नहीं रहेगा। केवल एक मंदिर राम का रहेगा। नफरत की जमीन पर राम के मंदिर का निर्माण हो रहा है।

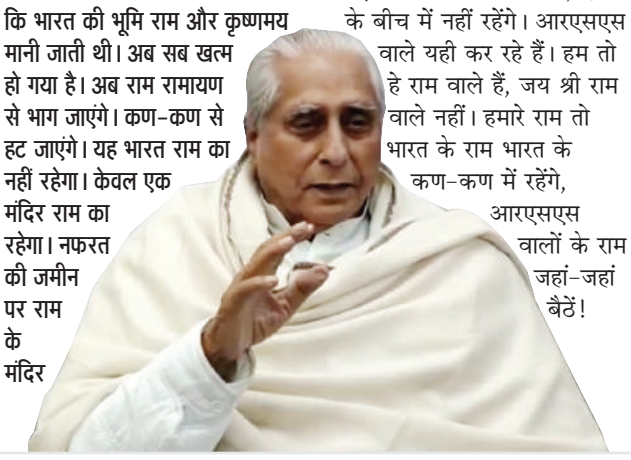

राम उसी एक मंदिर में बैठ जाएंगे। पत्थरों के बीच रहेंगे, हृदय के बीच में नहीं रहेंगे। आरएसएस वाले यही कर रहे हैं। हम तो हे राम वाले हैं, जय श्री राम वाले नहीं। हमारे राम तो भारत के राम भारत के कण-कण में रहेंगे, आरएसएस वालों के राम जहां-जहां बैठें!

### कण-कण के राम को मंदिर में कैद कर रहा आरएसएस

अयोध्या के निर्माणाधीन राम मंदिर निर्माण में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उन्होंने कहा- भारत के कण-कण से सिमट कर पत्थरों की चारदीवारी में राम को कैद किया जा रहा है। क्योंकि इंसानियत से बड़ा इस भारत में उन्मादियों के राम बचे हैं। बाकी सब जगह से राम खत्म हो गए। वह अपने राम को कैद कर लेंगे, यहां तो राम का असली वास शबरी की झोपड़ी में है। वह जब खुद थे, तब न अयोध्या में कैद हुए, न रावण को हराने के बाद लंका में उनका वास हुआ। जगदानंद सिंह ने कहा- भारत की जनता तो सदियों से रामायण को लेकर बैठी है, सुबह से शाम तक जपती है, क्योंकि उसे वहां राम मिलते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।